आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 14.01.2025 समय : 1905

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को मौसम की हर स्थिति से निपटने में सक्षम और क्लाइमेट स्मार्ट राष्ट्र बनाने के लिए मिशन मौसम का आज शुभारंभ किया।
- स्टार्टअप महाकुंभ का दूसरा संस्करण नई दिल्ली के भारत मंडपम में चार अप्रैल से आयोजित होगा।
- गणतंत्र दिवस समारोह के रिहर्सल के लिए कल से यातायात व्यवस्था की गई है।
- फसलों की कटाई का पर्व मकर संक्रांति आज देश के विभिन्न भागों में मनाया जा रहा है।
- दक्षिण अंडमान ज़िला प्रशासन की ओर से सशस्त्र सेना भूतपूर्व सैनिक दिवस पर आज सेल्यूलर जेल परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को मौसम की हर स्थिति से निपटने में सक्षम और क्लाइमेट स्मार्ट राष्ट्र बनाने के लिए मिशन मौसम का आज शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारतीय मौसम विभाग के एक सौ पचासवें स्थापना दिवस पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि मिशन मौसम एक स्थायी और भविष्य के लिए तैयार राष्ट्र के निर्माण की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। प्रधानमंत्री ने विभाग की डेढ़ सौ वर्ष की यात्रा की प्रशंसा करते हुए इसे देश में आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी का एक गौरवशाली अध्याय बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'सभी के लिए पूर्व चेतावनी' पहल देश की नब्बे प्रतिशत से अधिक आबादी को सूचना देती है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति अगले दस दिनों की मौसम संबंधी जानकारी किसी भी समय प्राप्त कर सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वास्तविक समय की मौसम संबंधी नवीन जानकारी से कृषि तथा समुद्री अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की मौसम संबंधी प्रगति ने देश की आपदा प्रबंधन क्षमता को सुदृढ़ किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मौसम विभाग के डेढ़ सौ वर्ष पूरे होने पर एक स्मारक सिक्का भी जारी किया। उन्होंने आईएमडी विज़न–दो हजार सैंतालीस दस्तावेज़ भी जारी किया। इसमें मौसम पूर्वानुमान, मौसम प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने की योजनाएँ शामिल हैं। मिशन मौसम का उद्देश्य अत्याधुनिक मौसम निगरानी तकनीक और प्रणाली विकसित करना है। इस पहल में उच्च–रिज़ॉल्यूशन

वायुमंडलीय अवलोकन शामिल है। इसमें अत्याधुनिक रडार और उपग्रह तथा उच्च–प्रदर्शन कंप्यूटर की व्यवस्था है।

<><><><><><><><>

स्टार्टअप महाकुंभ का दूसरा संस्करण नई दिल्ली के भारत मंडपम में ''स्टार्टअप इंडिया एट 2047–भारत की कहानी को सामने लाना'' विषय के साथ आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम चार से छः अप्रैल तक आयोजित होगा। इसका उद्देश्य भारत के स्टार्टअप इको सिस्टम की उपलब्धियों को प्रदर्शित करना है। स्टार्टअप महाकुंभ–दो हजार पच्चीस में ज़मीनी स्तर पर नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सत्र और क्षमता विकास कार्यशालाएं आयोजित होंगी। यह मंच राज्य तथा केन्द्रशासित प्रदेश के स्टार्टअप को निवेशकों और नीति निर्माताओं के साथ जुड़ने का अवसर प्रदान करेगा। उद्योग निदेशालय द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि इच्छुक स्टार्टअप अधिक जानकारी के लिए सोलह जनवरी तक किसी भी कार्य दिवस में सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे के बीच विभाग से संपर्क कर सकते हैं।

<><><><><><><><>

गणतंत्र दिवस समारोह के रिहर्सल के लिए यातायात व्यवस्था की गई है। कल से शुरू होने वाले रिहर्सल को देखते हुए आर. के. मिशन से धर्मशाला जंक्शन और स्काउट हट जंक्शन से गर्ल्स स्कूल क्रॉसिंग तक सुबह सात बजे से वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। साउथ प्वाइंट से अबरडीन बाज़ार की ओर जाने वाले वाहनों को अब गर्वमेंट प्रेस, आर. के. मिशन, आर. जी. टी. रोड और मुरगन मंदिर होते हुए जाना होगा। परेड टुकड़ियों को ले जाने वाले वाहनों को टुकड़ियों को गर्ल्स स्कूल के सामने उतारने के बाद तरणताल के किनारे पार्किंग क्षेत्र में पार्क करने को कहा गया है। रिहर्सल की समाप्ति के बाद वाहन टुकड़ियों को लेकर नेताजी स्टेडियम, स्काउट हट जंक्शन, गर्ल्स स्कूल मार्ग से होते हुए अपने–अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान करेंगे। यह व्यवस्था रिहर्सल की समाप्ति तक लागू रहेगी।

<><><><><><><><>

फसलों की कटाई का पर्व मकर संक्रांति आज देश के विभिन्न भागों में मनाया जा रहा है। मकर संक्रांति का पर्व हेमंत ऋतु के समापन और शिशिर ऋतु के आगमन का प्रतीक है। इसी दिन से दिवस की अवधि बढ़ने लगती है। इस त्यौहार को देश के विभिन्न भागों में अलग–अलग नामों से जाना जाता है।

तमिलनाडु में इसे पोंगल, गुजरात में उत्तरायण, असम में भोगाली बिहू और पश्चिम बंगाल में पौष संक्रांति के रूप में इसे मनाया जाता है। द्वीपसमूह में भी मकर संक्रांति और पोंगल का पर्व हर्षोल्लास से मनाया जा रहा है। केरल में आज सबरीमाला पहाड़ी मंदिर में 'मकरविलक्कु' पर्व के अवसर पर अयप्पा भक्त पहुंच रहे हैं। मान्यता है कि मकरविलक्कु उत्सव के अवसर पर भगवान अयप्पा अपने भक्तों को मकर ज्योति दर्शन के रूप में आशीर्वाद देते है।

<><><><><><><>

दक्षिण अंडमान ज़िला प्रशासन की ओर से सशस्त्र सेना भूतपूर्व सैनिक दिवस पर आज सेल्यूलर जेल परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम सशस्त्र बलों के भूतपूर्व सैनिकों के वीरतापूर्ण प्रयासों और बलिदानों के प्रति एक श्रद्धांजलि थी। इस अवसर पर दक्षिण अंडमान ज़िला उपायुक्त अर्जुन शर्मा ने सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि उनका साहस और राष्ट्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। सशस्त्र सेना भूतपूर्व सैनिक दिवस हर वर्ष चौदह जनवरी को मनाया जाता है। यह दिन स्वतंत्रता के बाद भारतीय सेना के पहले कमांडर–इन–चीफ फील्ड मार्शल के. एम. करियप्पा की सेवानिवृत्ति की वर्षगांठ की याद में मनाया जाता है। यह उन सैनिकों के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर है, जिन्होंने बाहरी आक्रमण और आंतरिक खतरों के खिलाफ देश की रक्षा की है। कार्यक्रम में सुरक्षित और प्रगतिशील राष्ट्र को आकार देने में सशस्त्र बलों के भूतपूर्व सैनिकों के अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला गया।

इस बीच, द्वीपों के पूर्व सांसद कुलदीप राय शर्मा ने सशस्त्र सेना भूतपूर्व सैनिक दिवस पर सैनिकों को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि यह दिन सैनिकों और उनके परिवारों द्वारा दिए गए बलिदानों को याद करने का दिन है।

<><><><><><><>

दक्षिण अंडमान ज़िला प्रशासन के ज़िला बाल संरक्षण इकाई की ओर से हाल ही में विभिन्न बाल देखभाल संस्थानों के बच्चों के लिए आटम पहाड़ के बालिका निकेतन और डेरीफार्म के सेवा निकेतन में परीक्षा पे चर्चा पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम इस वर्ष बोर्ड की परीक्षा में शामिल होने वाले दसवीं और बारहवीं के बच्चों के लिए आयोजित हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में परीक्षा के तनाव को कम करना और प्रभावी तैयारी के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना था। इस अवसर पर आर जी टी विद्यालय

की प्रधानाचार्या रीता बैनर्जी और शिक्षा विभाग के राजा राम स्रोत अधिकारी के रूप में उपस्थित थे। सत्र के दौरान श्रीमती बैनर्जी ने परीक्षा की तैयारी के प्रभावी तरीके के बारे में जानकारी दी। श्री राजा राम ने पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अवसर चुनने के लिए विभिन्न विकल्प सुझाए। कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष सुजीत तंगाचन और समिति के सदस्य पी राम चन्द्र ने भी बच्चों को संबोधित किया। कार्यक्रम में विभिन्न बाल देखभाल संस्थानों के पचास से अधिक बच्चों ने भाग लिया।

<><><><><><><>

श्री विजयपुरम स्थित परीक्षा केन्द्रों पर कर्मचारी चयन आयोग की संयुक्त स्नातक स्तरीय टीयर–टू परीक्षा आयोजित की जाएगी। यह परीक्षाएं अट्ठारह से बीस जनवरी तक चलेगी। भर्ती एवं परीक्षा उप–सचिव की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के ई–प्रवेश पत्र निर्धारित परीक्षा तिथि से तीन–चार दिन पहले आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी जाएगी।

<><><><><><><>